आज के प्रतिस्पर्धात्मक समय में छात्राओं के लिए रोजगारोन्मुखी शिक्षा जरूरी: कुलपति प्रो सुदेश

खानपुर कलां, गिरीश सैनी (ऋषि की आवाज ब्यूरो)। आज के प्रतिस्पर्धात्मक समय में छात्राओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा देना जरूरी है। शिक्षक छात्राओं को कैरियर संबंधी मार्गदर्शन व परामर्श भी अवश्य दें। ये बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने भगत फूल सिंह महिला पॉलिटेक्निक के वार्षिक महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन करते हुए कही। कुलपति प्रो सुदेश ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि इस शिक्षण संस्थान की नींव

महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह ने शिक्षा के माध्यम से नारी सशक्तिकरण के उद्देश्य के लिए रखी थी। कुलपति ने शिक्षकों का आह्वान किया कि इस उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए संस्थान को इतना उत्कृष्ट बनाएं कि ये इस क्षेत्र की छात्राओं का पसंदीदा शिक्षण संस्थान बने। कुलपति ने कार्यक्रम आयोजक मंडल को बधाई व शुभकामनाएं दी। कुलपति प्रो सुदेश ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं व उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्थान की छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक व खेल गतिविधियों द्वारा अपने हुनर का प्रदर्शन किया। प्रारंभ में पॉलिटेक्निक की प्राचार्या किरण जिंदल ने स्वागत संबोधन किया तथा संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

हरियाणा के इतिहास की झलक दिखाती युग-युगों से हरियाणा प्रदर्शनी संपन्न

खानपुर कलां, (ऋषि की आवाज)। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां में इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के सहयोग से हरियाणा के गौरवमयी इतिहास पर आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी युग-युगों से हरियाणा बुधवार को संपन्न हुई। समापन सत्र की विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो नीलम मलिक ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और आयोजक टीम के प्रयास की सराहना की।

कुलसचिव प्रो नीलम मलिक ने अपने संबोधन में कहा कि इतिहास मानव की विकास यात्रा को जानने का माध्यम है। साथ ही इससे भविष्य की विकास योजनाओं को तैयार करने में भी मदद मिलती है। उन्होंने छात्राओं को अपनी सभ्यता और ऐतिहासिक धरोहर को संजो कर रखने के लिए प्रेरित किया।

इस प्रदर्शनी की संयोजक, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ अर्चना मलिक ने बताया कि विभिन्न शैक्षणिक विभागों तथा यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल के शिक्षकों व विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर हरियाणा के इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। हरियाणा साहित्य व संस्कृत अकादमी पंचकूला द्वारा इस अवसर पर हरियाणा के इतिहास से संबंधित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

बताया। जिस पर बुजुर्गों ने अपनी छुटकारा पाने की उम्मीद जगी और प्लॉट दिए जाने की नीति के बारे में जनविरोधी पोर्टलों को बंद करने, सु

कुलसचिव प्रो नीलम मलिक ने 'युग-युगों से हरियाणा' प्रदर्शनी का किया अवलोकन

उजाला आज तक

गोहाना, 28 फरवरी (रामनिवास धीमान) भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां में इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के सहयोग से हरियाणा के गौरवमयी इतिहास पर आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी 'युग-युगों से हरियाणा' का आज समापन हो गया। समापन सत्र की विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो नीलम मलिक ने प्रदर्शनी का

अवलोकन किया । कुलसचिव प्रो नीलम मलिक ने अपने संबोधन में कहा कि इतिहास मानव की विकास यात्रा को जानने का माध्यम है। उन्होंने छात्राओं को अपनी सभ्यता और ऐतिहासिक धरोहर को संजो कर रखने के लिए प्रेरित किया। इस प्रदर्शनी की संयोजक, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ अर्चना मलिक ने बताया कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विभागों तथा यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल के शिक्षकों व विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर हरियाणा के इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। हरियाणा साहित्य व संस्कृत अकादमी पंचकूला द्वारा इस अवसर पर हरियाणा के इतिहास से संबंधित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस अवसर पर डॉ पिंकी, डॉ मोनिका, डॉ शीतल व डॉ सुमेर सहित अन्य उपस्थित रहे।

कुलपति ने प्रतियोगिताओं के विजेताओं व उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को किया सम्मानित

उजाला आज तक

गोहाना, 28 फरवरी (रामनिवास धीमान) आज के प्रतिस्पर्धात्मक समय में छात्राओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा देना जरूरी है। शिक्षक छात्राओं को कैरियर संबंधी मार्गदर्शन व परामर्श भी अवश्य दें। ये

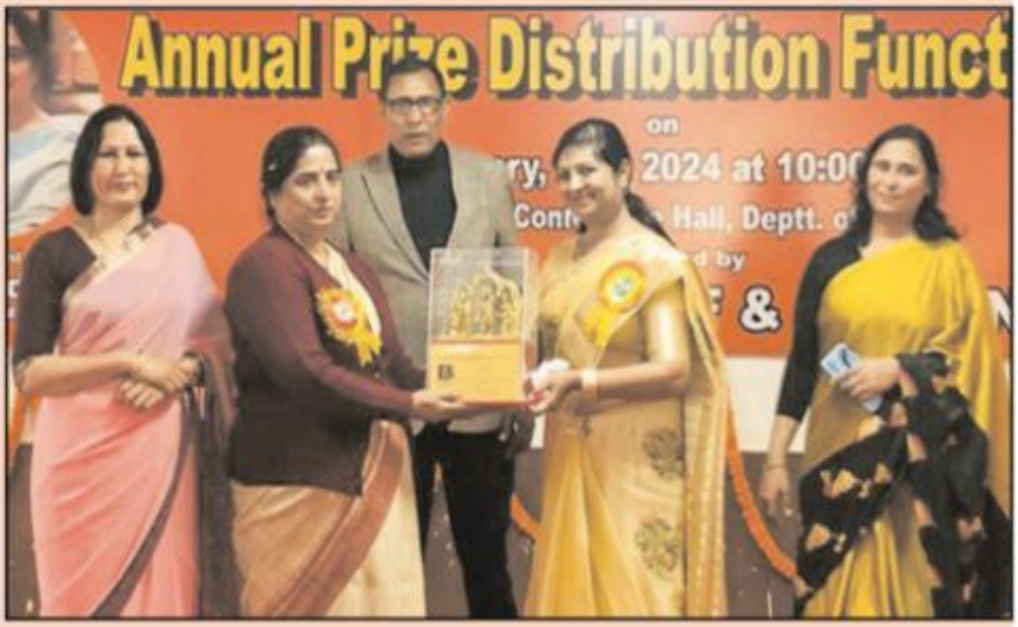

बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने भगत फूल सिंह महिला पॉलिटेक्निक के वार्षिक महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन करते हुए कही। उन्होने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा कहा कि इस शिक्षण संस्थान की नींव महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह ने शिक्षा के माध्यम से नारी सशक्तिकरण के उद्देश्य के लिए रखी थी। कुलपति ने शिक्षकों का आह्वान किया कि इस उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए संस्थान को इतना उत्कृष्ट बनाएं कि ये इस क्षेत्र की छात्राओं का पसंदीदा शिक्षण संस्थान बने। कुलपति प्रो सुदेश ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं व उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्थान की छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक व खेल गतिविधियों द्वारा अपने हुनर का प्रदर्शन किया। प्रारंभ में पॉलिटेक्निक की प्राचार्या किरण जिंदल ने स्वागत संबोधन किया तथा संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। मंच संचालन रणबीर राठी और शेफाली गुप्ता ने किया। अंत में राज सिंह कादियान ने आभार व्यक्त किया।

छात्राओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा देना समय की मांग : कुलपति

चित्रों का अवलोकन करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश और प्राध्यापक● सौ. विश्वविद्यालय

वि., गोहाना: आज के प्रतिस्पर्धात्मक समय में छात्राओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा देना जरूरी है। शिक्षक छात्राओं को करियर संबंधी मार्गदर्शन व परामर्श भी अवश्य दें। ये बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने महिला पालीटेक्निक के वार्षिक महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कही। कुलपति ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं व उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। प्राचार्य किरण जिंदल ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। मंच संचालन रणबीर राठी और शेफाली गुप्ता ने किया।

विभाजन के दौर को चित्रों के माध्यम से दर्शाया

जागरण संवाददाता, गोहाना: भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी बुधवार को संपन्न हो गई। हरियाणा थीम पर आधारित प्रदर्शनी में प्रथम विश्व युद्ध और 1947 में भारत विभाजन के दौर को चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया। प्रदर्शनी का कुलपति प्रो. सुदेश, विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अवलोकन किया। प्रदर्शनी में हरियाणा में पाए गए सिंधु सरस्वती स्थल, वैदिक काल, उत्तर वैदिक काल के चित्र प्रदर्शित किए गए।

इतिहास मानव विकास यात्रा जानने का माध्यम

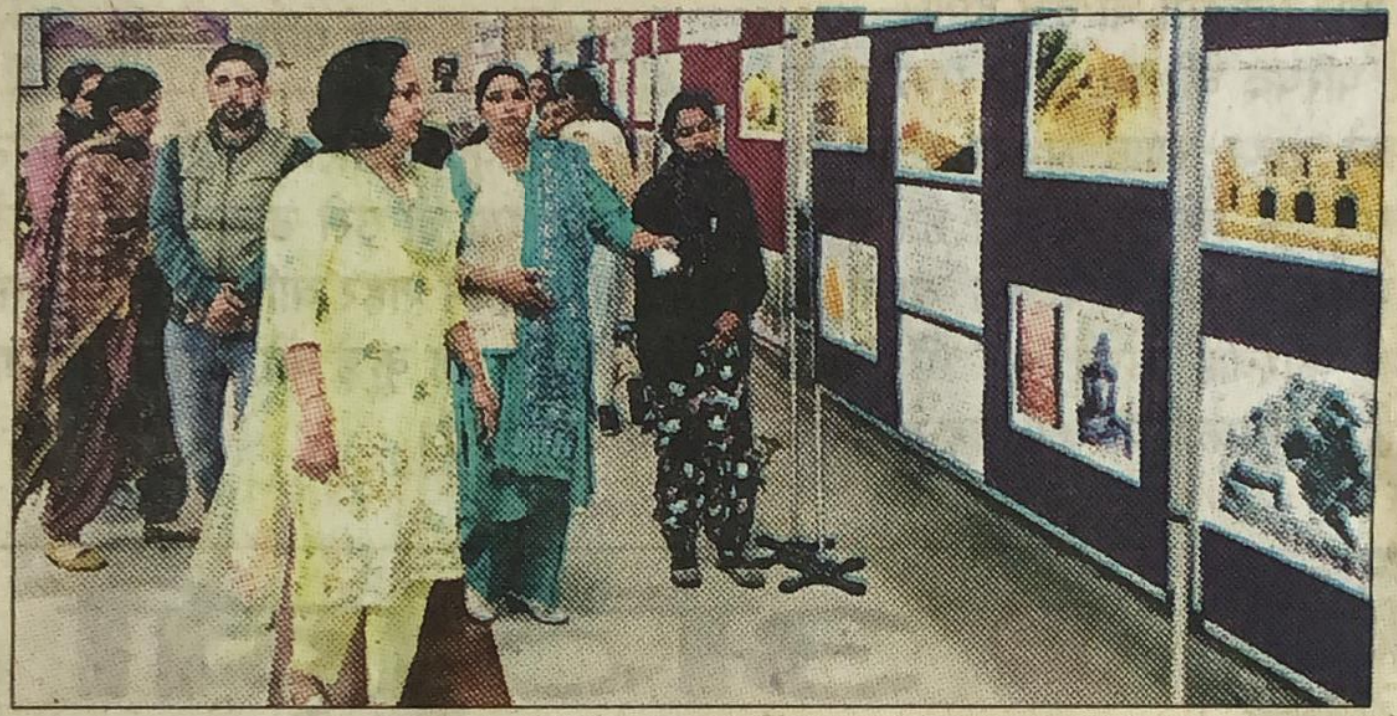

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में बुधवार को इतिहास और पुरातत्व विभाग की तरफ हरियाणा साहित्य और संस्कृति अकादमी के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी ''युग-युगों से हरियाणा'' का समापन हो गया है। विशिष्ट अतिथि कुलसचिव प्रो. नीलम मलिक ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कुलसचिव प्रो. नीलम मलिक ने कहा कि इतिहास मानव की विकास यात्रा को जानने का माध्यम है। साथ ही इससे भविष्य की विकास योजनाओं को तैयार करने में भी मदद मिलती है। उन्होंने छात्राओं को अपनी सभ्यता और ऐतिहासिक धरोहर को संजोकर रखने के लिए प्रेरित किया। प्रदर्शनी का संयोजन इतिहास और पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक ने किया। इस अवसर पर डॉ. पिंकी, डॉ. मोनिका, डॉ. शीतल व डॉ. सुमेर सहित अन्य उपस्थित रहे। संवाद

वर्तमान के प्रतिस्पर्धात्मक समय में छात्राओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा देना बेहद जरूरी : प्रो. सुदेश

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि की कुलपति प्रो . सुदेश ने कहा कि वर्तमान के प्रतिस्पर्धात्मक समय में छात्राओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा देना जरूरी है। ऐसे में प्राध्यापक छात्राओं को करियर संबंधी मार्गदर्शन व परामर्श भी अवश्य दें। वह बुधवार को विवि के महिला पॉलिटेक्निक के वार्षिक महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं।

प्रो. सुदेश ने कहा कि इस शिक्षण संस्थान की नींव महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह ने शिक्षा के माध्यम से नारी सशक्तिकरण के उद्देश्य के लिए रखी थी। इस उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए प्राध्यापक संस्थान को इतना उत्कृष्ट बनाएं, ताकि यह क्षेत्र की छात्राओं का पसंदीदा शिक्षण संस्थान बने। इसके बाद संस्थान की छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक व खेल गतिविधियों द्वारा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस पर कुलपति प्रो. सुदेश ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं व उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर पॉलिटेक्निक की प्राचार्या किरण जिंदल, रणबीर राठी, शेफाली गुप्ता, राज सिंह कादियान, संयुक्ता, सविता शर्मा, सुमन वर्मा, अरुणा, मनोज कुमार, अनिल मलिक, शिल्पा मदान, शर्मिला आदि मौजूद रहे।

मानव की विकास यात्रा को जानने का माध्यम इतिहास :

डॉ. नीलम बीपीएस महिला विवि में इतिहास एवं पुरातत्व विभाग

द्वारा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के सहयोग से हरियाणा के इतिहास पर आयोजित दो दिवसीय युग-युगों से हरियाणा प्रदर्शनी का बुधवार को समापन हो गया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक ने बतौर विशिष्ट अतिथि प्रदर्शनी का अवलोकन किया और आयोजक टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि इतिहास मानव की विकास यात्रा को जानने का माध्यम है। इससे भविष्य की विकास योजनाओं को तैयार करने में भी मदद मिलती है। उन्होंने छात्राओं को अपनी सभ्यता और ऐतिहासिक धरोहर को संजो कर रखने के लिए प्रेरित किया। वहीं प्रदर्शनी की संयोजक, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक ने बताया कि विवि के शैक्षणिक विभागों और कैंपस स्कूल के शिक्षकों व विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर हरियाणा के इतिहास की जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर डॉ. पिंकी, डॉ. मोनिका, डॉ. शीतल, डॉ. सुमेर आदि मौजूद रहे।

LECTURE ON SANKALP DIWAS

Sonepat: A guest lecture on Sankalp Diwas was organised jointly by Dean, Student Welfare Office, of Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya (BPSMV) and the Haryana Chapter of Ladakh and Jammu Kashmir Study Centre. Centre's member and senior research fellow at Asian Eurasian Human Rights Forum, Nidhi Bahuguna, delivered a thought-provoking keynote address. She shared insights on the various territories occupied by neighbouring countries and perspectives on critical challenges facing the regions. Secretary, Haryana Chapter, Dr Vivek Balyan, shed light on the various issues related to the illegally occupied territories of Jammu, Kashmir and Ladakh regions of India as well as the hospitality and tourism potentials of these areas. Programme coordinator Dr Jagbir Dalal expressed the vote of thanks. TNS

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को किया सम्मानित

गोहाना, 28 फरवरी (रामनिवास धीमान): आज के प्रतिस्पर्धात्मक समय में छात्राओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा देना जरूरी है। शिक्षक छात्राओं को कैरियर संबंधी मार्गदर्शन व परामर्श भी अवश्य दें। ये बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने भगत फूल सिंह महिला पॉलिटेक्निक के वार्षिक महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन करते हुए कही। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा कहा कि इस शिक्षण संस्थान की नींव महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह ने शिक्षा के माध्यम से नारी सशक्तिकरण के उद्देश्य के लिए रखी थी।

अजीत समाचार
29-Feb-2024
Page: 9
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
http://www.ajitsamachar.com/20240229/27/9/1_1.cms

कुलसचिव ने युग-युगों से हरियाणा प्रदर्शनी का किया अवलोकन

गोहाना, 28 फरवरी (रामनिवास धीमान): भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां में इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के सहयोग से हरियाणा के गौरवमयी इतिहास पर आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी युग-युगों से हरियाणा का आज समापन हो गया। समापन सत्र को विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो नीलम मलिक ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कुलसचिव प्रो नीलम मलिक ने अपने संबोधन में कहा कि इतिहास मानव की विकास यात्रा को जानने का माध्यम है।

अजीत समाचार
29-Feb-2024
Page: 9
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
http://www.ajitsamachar.com/20240229/27/9/1_1.cms

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat - 29 Feb 2024 - Page 3

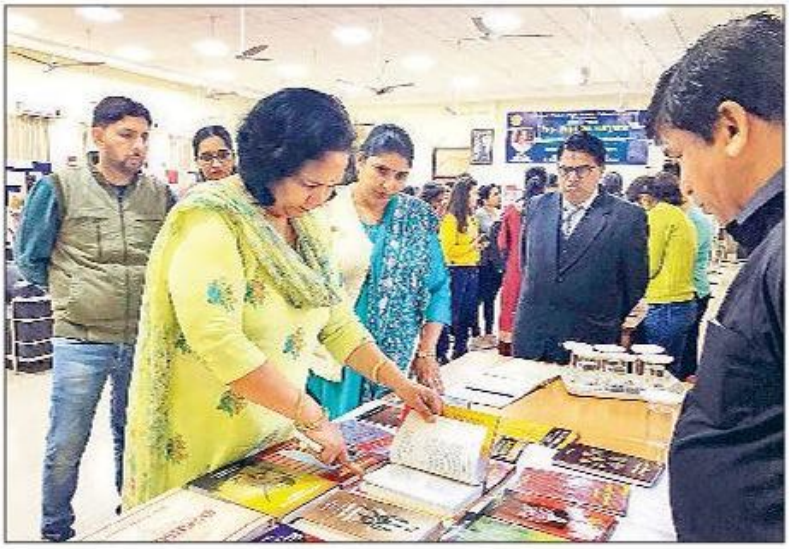

गोहाना। दो दिवसीय 'युग-युगों से हरियाणा' प्रदर्शनी के समापन अवसर पर कुलसचिव प्रो. नीलम मलिक। *फोटो : हरिभूमि*

इतिहास मानव की विकास यात्रा को जानने का माध्यम

दो दिवसीय प्रदर्शनी का समापन

- एतिहासिक धरोहर को संजोकर रखने के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां में इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के सहयोग से हरियाणा के गौरवमयी इतिहास पर आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी युग-युगों से हरियाणा का आज समापन हो गया।

समापन सत्र की विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. नीलम मलिक ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और आयोजक टीम के प्रयास की सराहना की। कुलसचिव प्रो. नीलम मलिक ने अपने संबोधन में कहा कि इतिहास मानव की विकास यात्रा को जानने का माध्यम है। साथ ही इससे भविष्य की विकास योजनाओं को तैयार करने में भी मदद मिलती है। उन्होंने छात्राओं को अपनी सभ्यता और ऐतिहासिक धरोहर को संजो कर रखने के लिए प्रेरित किया। इस प्रदर्शनी की संयोजक, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक ने बताया कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विभागों तथा यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल के शिक्षकों व विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर हरियाणा के इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। हरियाणा साहित्य व संस्कृत अकादमी पंचकूला द्वारा इस अवसर पर हरियाणा के इतिहास से संबंधित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस अवसर पर डॉ. पिंकी, डॉ. मोनिका, डॉ. शीतल व डॉ. सुमेर सहित अन्य उपस्थित रहे।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat - 29 Feb 2024 -

छात्राओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा देनी जरूरी : प्रो. सुदेश

गोहाना। आज के समय में छात्राओं को रोजगारपरक शिक्षा देना जरूरी है। शिक्षक छात्राओं को केरियर संबंधी मार्गदर्शन व परामर्श भी अवश्य दें। ये बात भगत फूल सिंह महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने महिला पालीटेक्निक के वार्षिक महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कही।

कुलपति ने शे आह्वान किया कि विवि के संस्थापक भगत फूल सिंह के नारी सशक्तिकरण के उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए काम करें।

Hindi News

आज के प्रतिस्पर्धात्मक समय में छात्राओं के लिए रोजगारोन्मुखी शिक्षा जरूरीः कुलपति प्रो सुदेश

भगत फूल सिंह महिला पॉलिटेक्निक का वार्षिक महोत्सव आयोजित।

Girish Saini Feb 28, 2024 09:47 0

Facebook Twitter

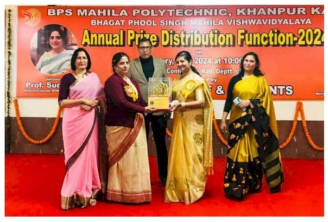

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। आज के प्रतिस्पर्धात्मक समय में छात्राओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा देना जरूरी है। शिक्षक छात्राओं को कैरियर संबंधी मार्गदर्शन व परामर्श भी अवश्य दें। ये बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने भगत फूल सिंह महिला पॉलिटेक्निक के वार्षिक महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन करते हुए कही।

कुलपति प्रो सुदेश ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि इस शिक्षण संस्थान की नींव महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह ने शिक्षा के माध्यम से नारी सशक्तिकरण के उद्देश्य के लिए रखी थी। कुलपति ने शिक्षकों का आह्वान किया कि इस उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए संस्थान को इतना उत्कृष्ट बनाएं कि ये इस क्षेत्र की छात्राओं का पसंदीदा शिक्षण संस्थान बने। कुलपति ने कार्यक्रम आयोजक मंडल को बधाई व शुभकामनाएं दी। कुलपति प्रो सुदेश ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं व उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर संस्थान की छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक व खेल गतिविधियों द्वारा अपने हुनर का प्रदर्शन किया। प्रारंभ में पॉलिटेक्निक की प्राचार्या किरण जिंदल ने स्वागत संबोधन किया तथा संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। मंच संचालन रणबीर राठी और शेफाली गुप्ता ने किया। अंत में राज सिंह कादियान ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर संयुक्ता, सविता शर्मा, सुमन वर्मा, अरुणा, मनोज कुमार, अनिल मलिक, शिल्पा मदान, शर्मिला सहित शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

Tags: today's competitive times | employment-oriented education | necessary for girl students | Vice Chancellor Prof. Sudesh

PREVIOUS ARTICLE
गुजवि में विद्यार्थियों के लिए 15 दिवसीय एट्टीट्यूड ट्रेनिंग कार्यक्रम शुरू

NEXT ARTICLE
विकसित भारत का लक्ष्य सुनिश्चित करने के लिए संकल्पबद्ध होकर सामूहिक प्रयास करने...

RELATED POSTS

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया

कंप्यूटर प्रश्नोत्तरी में जसमीत, ईशांत व मोहित की टीम प्रथम

पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन में हिमांशी, निबंध लेखन में रिशु...

COMMENTS

Name
Email
Comment
I'm not a robot
Post Comment

THURSDAY 29TH OF FEBRUARY 2024 10:47:22 AM

POPULAR POSTS
Weekly Posts
Bhagat Phool Singh's vision of women education and empowerment...
New Team at OPA for 2024
Surily G's return to the runway
Four arrested with illegal arms and ammunition
(IANS Review) 'Article 370' sets the record straight on...

FOLLOW US
Facebook Twitter Pinterest Linkedin Youtube Email

RECOMMENDED POSTS

Opinion
IANS Interview: PM Modi has ensured there's no 'jugaad'...

'Farmers first' policy is Modi govt's resolve to boost...
(IANS Review) 'Article 370' sets the record straight on...
Surily G's return to the runway
Consuming over 22 per cent protein daily may clog your...
Farmers protest: Who's graph on stake (IANS Column: FairPoint)

GUEST POST

For advertisement, news, article, guest post, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

Hindi News

हरियाणा के इतिहास की झलक दिखाती युग-युगों से हरियाणा प्रदर्शनी संपन्न

Girish Saini Feb 28, 2024 09:39

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां में इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के सहयोग से हरियाणा के गौरवमयी इतिहास पर आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी 'युग-युगों से हरियाणा' बुधवार को संपन्न हुई।

समापन सत्र की विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो नीलम मलिक ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और आयोजक टीम के प्रयास की सराहना की। कुलसचिव प्रो नीलम मलिक ने अपने संबोधन में कहा कि इतिहास मानव की विकास यात्रा को जानने का माध्यम है। साथ ही इससे भविष्य की विकास योजनाओं को तैयार करने में भी मदद मिलती है। उन्होंने छात्राओं को अपनी सभ्यता और ऐतिहासिक धरोहर को संजो कर रखने के लिए प्रेरित किया।

इस प्रदर्शनी की संयोजक, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ अर्चना मलिक ने बताया कि विभिन्न शैक्षणिक विभागों तथा यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल के शिक्षकों व विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर हरियाणा के इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। हरियाणा साहित्य व संस्कृत अकादमी पंचकूला द्वारा इस अवसर पर हरियाणा के इतिहास से संबंधित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस दौरान डॉ पिंकी, डॉ मोनिका, डॉ शीतल व डॉ सुमेर सहित शोधार्थी व विद्यार्थी मौजूद रहे।

Tags: Haryana exhibition | glimpse of history of Haryana

PREVIOUS ARTICLE: इमसॉर में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित
NEXT ARTICLE: जेनेटिक काउंसलिंग में रोजगार की संभावनाओं की जानकारी दी विद्यार्थियों को

RELATED POSTS
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया
कंप्यूटर प्रश्नोत्तरी में जसमीत, ईशांत व मोहित की टीम प्रथम
पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन में हिमांशी, निबंध लेखन में रिशु...

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved.

इतिहास मानव की विकास यात्रा को जानने का माध्यम : डॉ. नीलम मलिक

गोहाना मुद्रिका, 28 फरवरी : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के सहयोग से हरियाणा के गौरवमयी इतिहास पर आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी 'युग-युगों से हरियाणा' का बुधवार को समापन हो गया।

समापन सत्र की विशिष्ट अतिथि महिला विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार प्रो नीलम मलिक रहीं। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रो नीलम मलिक ने कहा कि इतिहास मानव की विकास यात्रा को जानने का माध्यम है। साथ ही इससे भविष्य की विकास योजनाओं को तैयार करने में भी मदद मिलती है। उन्होंने छात्राओं को अपनी सभ्यता और ऐतिहासिक धरोहर को संजो कर रखने के लिए प्रेरित किया। इस प्रदर्शनी की संयोजक, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ अर्चना मलिक ने बताया कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विभागों तथा यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर हरियाणा के इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। हरियाणा साहित्य व संस्कृत अकादमी पंचकूला द्वारा इस अवसर पर हरियाणा के इतिहास से संबंधित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

शिक्षक कैरियर संबंधी मार्गदर्शन और परामर्श भी दें : प्रो. सुदेश

गोहाना मुद्रिका, 28 फरवरी : आज के प्रतिस्पर्धात्मक समय में छात्राओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा देना जरूरी है। शिक्षक छात्राओं को कैरियर संबंधी मार्गदर्शन और परामर्श भी अवश्य दें। बुधवार को यह बात बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज के वार्षिक महोत्सव में कही।

वी.सी. प्रो सुदेश ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इस शिक्षण संस्थान की नींव महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह ने शिक्षा के माध्यम से नारी सशक्तिकरण के उद्देश्य के लिए रखी थी। उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया कि इस उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए संस्थान को इतना उत्कृष्ट बनाएं कि ये इस क्षेत्र की छात्राओं का पसंदीदा शिक्षण संस्थान बने।

प्रो. सुदेश ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया। संस्थान की छात्राओं ने सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों द्वारा अपने हुनर का प्रदर्शन किया। प्रारंभ में पॉलिटेक्निक कॉलेज की प्रिंसिपल किरण जिंदल ने संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। मंच संचालन रणबीर राठी और शेफाली गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर राज सिंह काद्यान संयुक्ता, सविता शर्मा, सुमन वर्मा, अरुणा, मनोज कुमार, अनिल मलिक, शिल्पा मदान, शर्मिला आदि उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी
THU,29 FEBRUARY 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

करियर संबंधी मार्गदर्शन और परामर्श भी दें शिक्षकः प्रो. सुदेश

गोहाना, 28 फरवरी (अरोड़ा): आज के प्रतिस्पर्धात्मक समय में छात्राओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा देना जरूरी है। शिक्षक छात्राओं को करियर संबंधी मार्गदर्शन और परामर्श भी अवश्य दें। बुधवार को यह बात बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने महिला पॉलिटैक्निक कॉलेज के वार्षिक महोत्सव में कही।

वी.सी. प्रो सुदेश ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इस शिक्षण संस्थान की नींव महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह ने शिक्षा के माध्यम से नारी सशक्तिकरण के उद्देश्य के लिए रखी थी।

प्रिंसीपल किरण जिंदल वी.सी. प्रो. सुदेश को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए। (अरोड़ा)

उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया कि इस उद्देश्य को आगे बढ़ातेहुए संस्थानको इतना उत्कृष्ट बनाएं कि ये इस क्षेत्र की छात्राओं का पसंदीदा शिक्षण संस्थान बने।

प्रो. सुदेश ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया। संस्थान की छात्राओं ने सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों द्वारा अपने हुनर का प्रदर्शन किया।

प्रारंभ में पॉलिटैक्निक कॉलेज की प्रिंसीपल किरण जिंदल ने संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। मंच संचालन रणबीर राठी और शेफाली गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर राज सिंह काद्यान संयुक्ता, सविता शर्मा, सुमन वर्मा, अरुणा, मनोज कुमार, अनिल मलिक, शिल्पा मदान, शर्मिला आदि उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी
THU,29 FEBRUARY 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

इतिहास मानव की विकास यात्रा को जानने का माध्यम: डॉ. नीलम

समापन सत्र में प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए डॉ. नीलम मलिक। (अरोड़ा)

गोहाना, 28 फरवरी (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के सहयोग से हरियाणा के गौरवमयी इतिहास पर आयोजित 2 दिवसीय प्रदर्शनी 'युग-युगों से हरियाणा' का बुधवार को समापन हो गया।

समापन सत्र की विशिष्ट अतिथि महिला विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार प्रो. नीलम मलिक रहीं। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रो. नीलम मलिक ने कहा कि इतिहास मानव की विकास यात्रा को जानने का माध्यम है। साथ ही इससे भविष्य की विकास योजनाओं को तैयार करने में भी मदद मिलती है। उन्होंने छात्राओं को अपनी सभ्यता और ऐतिहासिक धरोहर को संजो कर रखने के लिए प्रेरित किया।

इस प्रदर्शनी की संयोजक, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक ने बताया कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विभागों तथा यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर हरियाणा के इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। हरियाणा साहित्य व संस्कृत अकादमी पंचकूला द्वारा इस अवसर पर हरियाणा के इतिहास से संबंधित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

इस अवसर पर डॉ. पिंकी, डॉ. मोनिका, डॉ. शीतल व डॉ. सुमेर सहित अन्य उपस्थित रहे।